(2 राजा 5:1-19)

थोड़ा सा विश्वास, अद्भुत परिवर्तन ला सकता है ।

(2 Kings 5:1-19)

A little faith can bring amazing transformation.

नामान की परिस्थिति

2 राजा 5:1-19)

- अराम देश, इज़राइल का उत्तर पूर्व देश था जिसे बाद में सीरिया कही गया।
- नामान अरामियों की सेना का कप्तान था।
- वे एक बहादुर योद्धा भी थे।
- परमेश्वर यदध के मैदान में नामान के साथ दिया। और सेना लगातार विजयी पाते थे।
- इसके बीच, एक बडा tragedy दुःखद घटना हुयी। नामान कोढ़ी बन गया।

छोटी लडकी, परमेश्वर का प्यार दर्शाता है।

- सैनिक इजरायल के देश में छापे के दौरान एक छोटी लड़की लाया और नामान उस जवान लडकी को अपनी पत्नी का नौकर बनाया था।
- उस जवान लडकी, अपने स्वामी की चंगाई की इच्छ, करती है और परमेश्वर के प्रेम को दर्शाता हैं।
- उसके पास कोई रवैया नहीं था क्योंकि वह एक सच्चा नौकर था। वह किसी भी तरह से अपने स्वामी की सेवा में समर्पित थी जो वह कर सकती थी।
- छोटी लड़की को देखकर नमन की पत्नी हैरान हो गई ।

आराम राजा, नामान को जाने के लिये कहता है।

- अराम का राजा खुश था कि नामान का चंगा होना संभव है।
- इसलिए अराम के राजा ने इस्राएल के राजा (येहोराम) को एक पत्र लिखा और उसे नामान को चंगा करने के लिए कहा।
- अराम के राजा ने मान लिया कि इस्राएल का राजा भविश्यवक्ता था जो कोढ़ियों को भी ठीक कर सकता हैं।

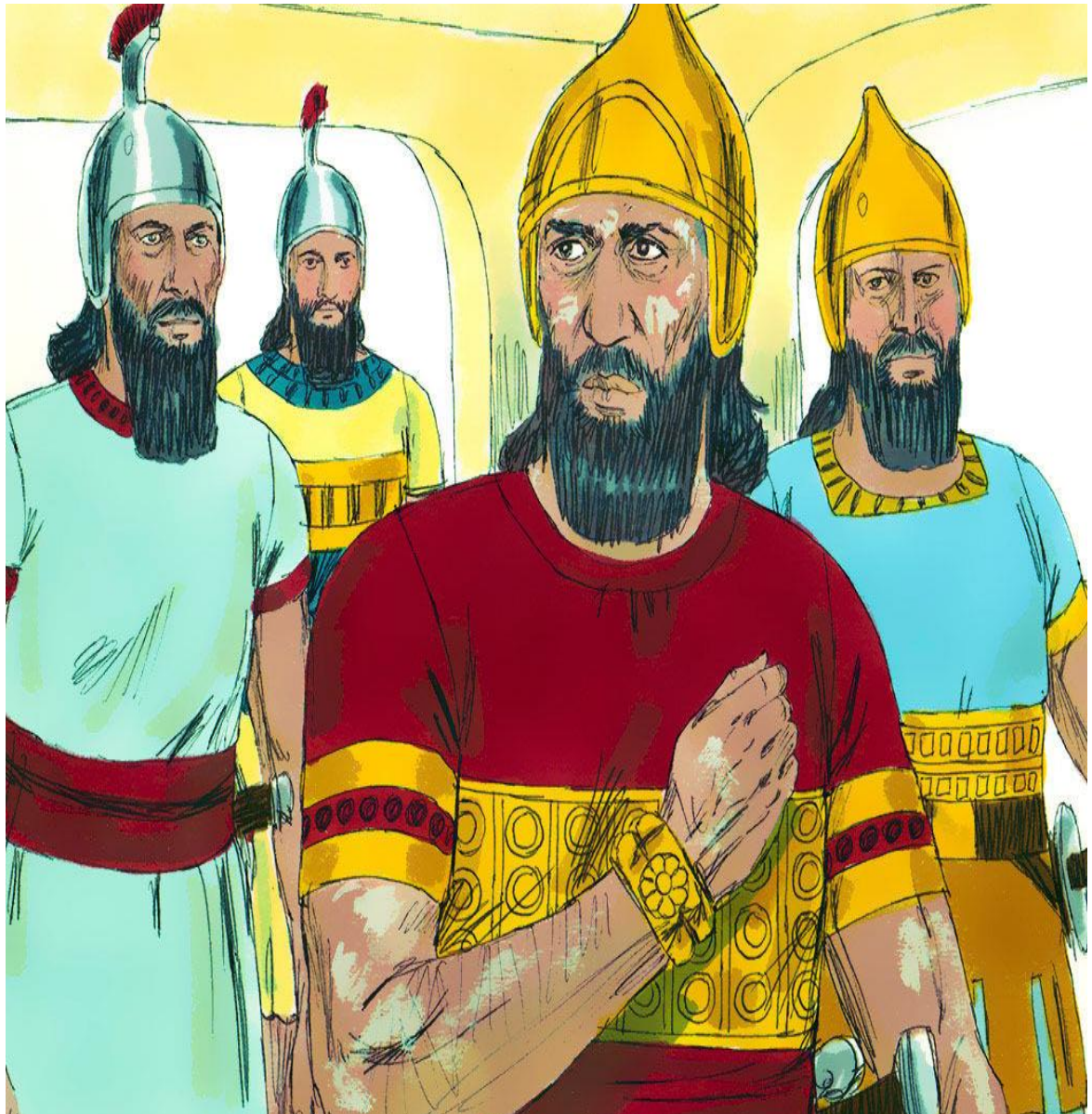

भविश्यवक्ता की उपहार के लिये।

- दस किक्कार चान्दी और छ:हजार टुकड़े सोना, और दस जोड़े कपड़े साथ ले कर रवाना हो गया।
- इसका वजन
- 75 Kgs Gold + 450 Kgs silver + 10 pairs of Royal suits.
- सब कुछ मिलकर कर 20 करोड की माल था।

- इजरायेल के राजा (येहोराम) को विश्वास नहीं हो रहा था कि उसने अभी क्या पढ़ा है।
- केवल परमेश्वर ही कुष्ठ रोग का इलाज कर सकते है।
- वह सोच रहा था कि अराम रजा ने एक युद्ध को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।
- इजरायल के राजा ने परिस्थितियों को देखा और परमेश्वर को नहीं देखा।
- वह अपने देश मे रहने वाला एलिशा जैसा महान नबी को भी भूल गया।
- जब इस्राएल राजा जान चुके है कि नामान टीख नही हो सकता है, वह अपने कपडे फाड ने लगा।
- इजरायल के राजा ने परिस्थितियों को देखा और परमेश्वर को नहीं देखा।

रजा ने अपने कपडे फाडने लगा.

- एलीशा के बजाय नबी के एक नौकर मिलता है। नदी योर्दान में सात बार धोने के संदेश देकर चले जाते है।
- नामान ने खुद को गुस्से में होकर एलीशा के घर से चला गया।
- गंदी नदी में सात बार क्यों धोना चाहिए, जब अपने घर के पास अबाना और पर्पर नदी में सिर्फ एक बार धोने से साफ हो सकती है?
- कई बार आपकी प्रार्थना का उस तरह से जवाब नहीं दिया जाता है जैसे आप चाहते है।
- परमेश्वर वही करता है जो हमारे लिए सबसे अच्छा है।
- हम नहीं देखते हैं कि परमेश्वर हमारे जीवन में क्या कर रहा है, जैसा कि नामान नहीं देख सकता था कि परमेश्वर उसके जीवन में क्या कर रहा था।

नामान निराश हो रहा था।

नामान चंगा हुवा

- नामान ने आज्ञाकारिता सीखी । उसका अभिमान, गमंड नीचे की ओर धुल गया था।
- जैसा कि नामान सातवीं बार पानी से बाहर आया, उसने अपने शरीर को देखा की उसका कुष्ठ रोग पूरा चला गया था। वह साफ, और पूरी तरह से चंगा हुवा था।
- आज हमारे जीवन मे ऐसी परिस्थिती हो सकते है, इन दिनों COVID-19 के द्वारा।
- हमें परेशान होने की जरूरत नही है क्यो की हमरे पास एक ऐसा परमेश्वर है, उस के लीये कोई असंभव नही है।

परमेश्वर के उपहार मुफ्त है।

- नामान स्वीकार करता है कि परमेश्वर एक सच्चे परमेश्वर हैं, और कोई दूसरा नहीं है।
- नामान ने एलिशा से राजा के उपहार को प्राप्त करने का आग्रह किया। हालांकि, एलिशा ने नामन से उपहार लेने से मना कर दिया।
- शायद एलीशा चाहता था कि नामान यह देखे कि परमेश्वर का उपहार मुफ्त होता है।
- शायद इस तरह नामान यह देखेगा कि परमेश्वर उसे प्यार करता है और उसे दिलचस्पी रखता है बल्की उसके पैसे नही ।

नामान ने परमेश्वर को अपने घर मे, अपने दिल में

- वह मट्टी के दो भार दिए जाने की इच्छा रखता है।
- नामान अब जानता है कि सच्चा परमेश्वर इस्राएल का परमेश्वर है, अराम देश के देवी देवता नहीं।
- तो क्यों नहीं इज़राइल को अराम में देश में लाया जाए?
- इस तरह वह कम से कम इज़राइल की मिठी से परमेश्वर की वेदी बना सकता है। बार बार इजराइल नही जाना पड़े।

नामान अपने जीवन के द्वारा हमें क्या सिखता है

- हम अपने जीवन में सभी मूर्तियों को नष्ट कर दें और एक सच्चे ईश्वर की पूजा करें।
- नामान ने इजरायल से मिट्टी वापस लाई ताकि परमेश्वर नामान के घर में उसके दिल मे हमेशा रह सके।
- क्या हम यीशु को अपने निजी परमेश्वर और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किये हैं, ताकि परमेश्वर हमारे दिल में बसे।
- क्या हम अपने सारे चीजों से उसकी सेवा करेंगे? क्या परमेश्वर हमारी सेवा से प्रसन्न होंगे जब हम एक आज्ञाकारी जीवन जीते है।

- क्या परमेश्वर जो कुछ कहता है, वह सब कुछ करने के लिए तैयार है।
- क्या आप उस आज्ञाकारिता की नदी में डुबकी लगाने चाहते हो, उसके द्वारा परमेश्वर हमरे दोषों और खामियों को दूर करते हैं।
- ऐसी समय जो कोरोना से लोग बयभीत हो रहे है, कया हम एक आज्ञाकारि जीवन द्वारा परमेश्वर का राज्य बडाने की कोशिष करे ।
- नामान एक शत्रु राज्य मे रहते हुए भी परमेश्वर के वेदी अपने घर मे स्थापना किया।
- क्या आपके घर में पारमेश्वर के वेदी है?
- वचन इस प्रकात कहता है (रोमी 10:9-10)

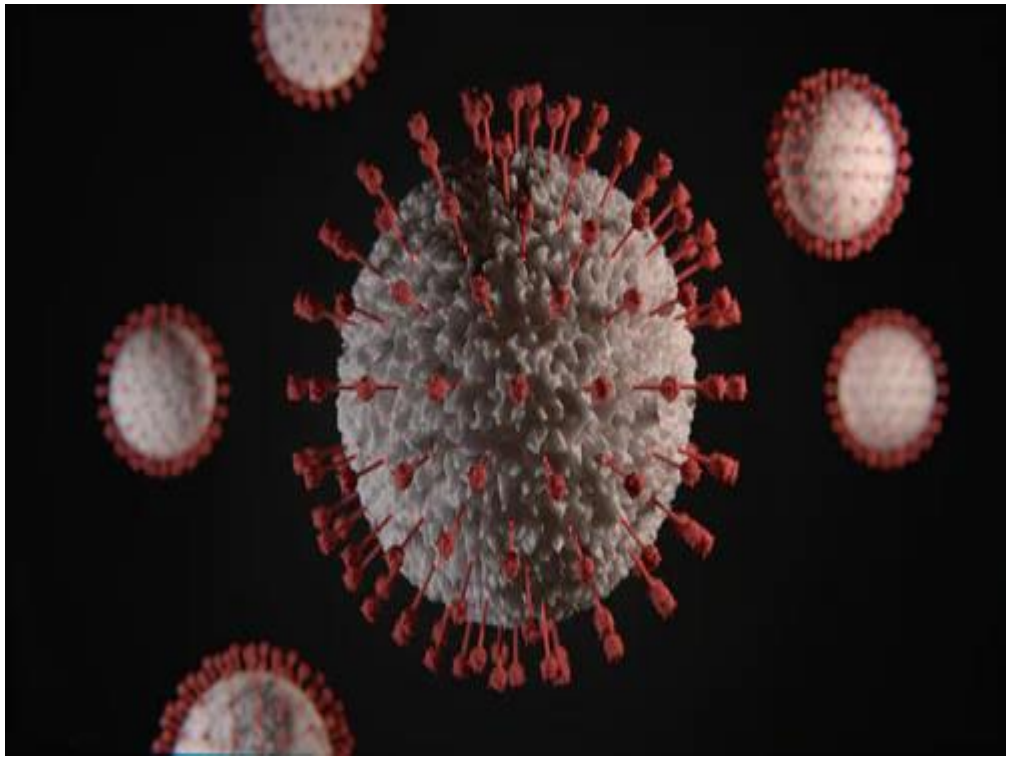

9. यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा।